वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 27 | शुक्रवार 26 मई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान में अचानक पलटा मौसम, तूफानी बारिश

जैसलमेर में ओले, जयपुर में तेज हवा के साथ बरसात; बीकानेर सहित कई जिलों में आंधी

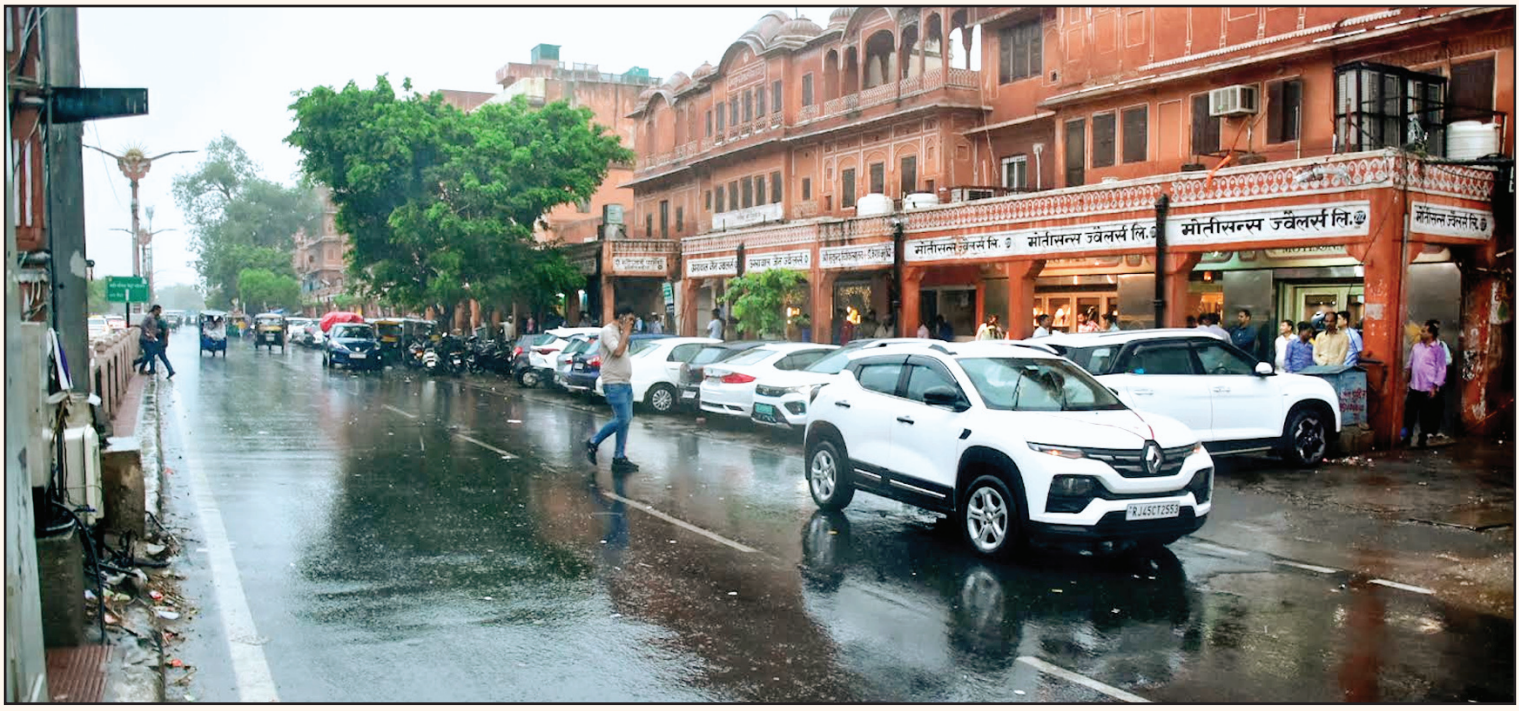

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर में गुरुवार देर रात तूफानी बारिश का दौर शुरू हुआ। तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश होने लगी। शाम होते ही मौसम बदला और गरज-चमक के साथ पानी गिरने लगा। उधर, शाम को जैसलमेर में बारिश के साथ ओले भी गिरे। तेज आंधी भी चली। राजस्थान के अधिकांश इलाकों में हुई बारिश से मौसम ठंडा हो गया। लोगों को गर्मी से राहत मिली है। इधर, इस बारिश ने 10 साल का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। 10 साल में दूसरी बार ऐसा हुआ है जब मई में पारा 42 डिग्री से ऊपर नहीं गया है। भारी बारिश के चलते जयपुर शहर में दर्जनों जगह पेड़ गिरे हैं। बिंदायका इलाके में कुछ मवेशियों की मौत होने की जानकारी मिली है। तेज हवाओं के चलते सिविल डिफेंस को एक्टिव मोड पर रखा गया है। वहीं एसडीआरएफ की टीम भी किसी भी प्रकार की आपदा संबंधित सूचना आने पर एक्शन के लिए तैयार है। जैसलमेर में शाम 6 बजे बाद अचानक से बारिश का दौर शुरू हुआ। वहीं ग्रामीण इलाके नाचना में आंधी के साथ ओले गिरे। जयपुर, जैसलमेर, बीकानेर सहित कई जिलों में चली तेज आंधी से काफी नुकसान की भी सूचना है। कई इलाकों में बिजली के पोल और पेड़ गिर गए हैं। कुछ स्थानों पर ट्रैफिक भी प्रभावित होने की सूचना है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार प्रदेश में अगले 48 घंटों में जहां 60 किलोमीटर की रफ्तार से धूल-भरी आंधी चलने के साथ बारिश की संभावना है। वहीं, 28 मई से नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हो जाएगा, जिससे एक बार फिर बारिश का सिलसिला शुरू होगा। ऐसे में अगले 7 दिनों तक राजस्थान में मौसम कूल-कूल ही रहेगा। गुरुवार से नौतपा की शुरूआत हो गई है। इससे पहले बुधवार को आंधी के साथ आई बारिश से गर्मी का असर कम हो गया है। इस बार उत्तर भारत में एक्टिव हुए नए वेदर सिस्टम और पाकिस्तान में बने साइक्लोनिक सकुर्लेशन की वजह से गर्मी परेशान नहीं कर पाएगी। इससे पहले बुधवार को राजधानी जयपुर समेत प्रदेश के पांच से ज्यादा जिलों में बदले मौसम का असर देखने को मिला है। इस दौरान आंधी के साथ कई जगहों पर ओलावृष्टि भी हुई। इसके बाद प्रदेश का अधिकतम तापमान औसतन 10 डिग्री तक गिर गया है। जयपुर में तो 4 घंटे के दौरान दिन का तापमान 34 डिग्री से 17 डिग्री तक आ गया।

48 घंटों तक होगी बारिश

जयपुर मौसम केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि नए वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के एक्टिव होने के साथ ही बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से नमी आ रही है। इससे प्रदेश में मई महीने में भारी बारिश हो रही है। ऐसे में इस पूरे वेदर सिस्टम की वजह से अगले 48 घंटों तक प्रदेश में आंधी-बारिश का दौर जारी रहेगा। हालांकि, इसके बाद 26 और 27 मई को प्रदेश के कुछ इलाकों में कम बारिश होगी।

28 से एक्टिव होगा नया डिस्टर्बेंस

शर्मा ने बताया कि इसके बाद 28 और 29 मई को एक नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हो जाएगा। तब प्रदेशभर के अधिकतर जिलों में धूल-भरी आंधी के साथ बारिश होने की संभावना है। ऐसे में अगले 7 दिन अब प्रदेश में हीट वेव नहीं चलेगी।

तूफानी बारिश के साथ ओलावृष्टि का अलर्ट

मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक 24 घंटे में दौसा, धौलपुर, टोंक, करौली, सवाई-माधोपुर और भरतपुर में 60 किलोमीटर की रफ्तार से आंधी चलने के साथ ओलावृष्टि की प्रबल संभावना है। वहीं जयपुर, अजमेर, अलवर, बारां, भीलवाड़ा, बूंदी, झालावाड़, झुंझुनूं, कोटा, सीकर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़, जोधपुर, नागौर, बूंदी, जैसलमेर, बाड़मेर, हनुमानगढ़, पाली, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ और श्रीगंगानगर में 50 किलोमीटर की रफ्तार से धूल-भरी आंधी के साथ बारिश होने की संभावना है।

10 साल में दूसरी बार मई में 43 डिग्री से ऊपर नहीं जाएगा पारा

मंगलवार को अधिकतम तापमान 42.6 डिग्री रिकॉर्ड हुआ था, लेकिन बुधवार को मौसम का मिजाज बदलने के बाद तापमान 6-7 डिग्री सेल्सियस पर ही आ गया। जयपुर में 13.2 मिमी पानी बरसा। मूसलाधार बारिश के चलते विजिबिलिटी भी घटकर 10-15 मीटर ही रह गई। मई में लगातार पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय रहने से आंधी बारिश का दौर चला। इस बार मई में अधिकतम पारा 43 डिग्री से ऊपर नहीं गया। 10 साल में 2021 के अलावा हर बार मई में अधिकतम तापमान 44 डिग्री से अधिक रहा। 2021 में पारा 42.6 डिग्री रिकॉर्ड हुआ था।

महेश नवमी पर निकलेगी प्रभात फेरी

रावतसर. शाबाश इंडिया। सोमवार 29 मई 2023 को अपने माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति दिवस ''महेश नवमी'' पर गढ़ के पास शिव मंदिर से माहेश्वरी भवन तक गाजे बाजे के साथ प्रभात फेरी का आयोजन किया गया है प्रभात फेरी का समय सुबह 6:30 बजे रखा गया है माहेश्वरी समाज रावतसर के सभी समाज बंधुजन एवं महिलाओ और बच्चों से आग्रह है की ज्यादा से ज्यादा इस प्रभात फेरी मे आये और इस आयोजन को सफल बनाये यह प्रभात फेरी शिव मंदिर गढ़ के पास से शुरू होकर के मुख्य मुख्य मार्गो से होते हुए महेश्वरी भवन पहुंचेगी जहां पर भगवान शिव को पुष्प अर्पित किए जाएंगे वह भोले शंकर शिव का पाठ किया जाएगा।

आचार्य 108 विवेक सागर को कुचामन के लिए श्रीफल भेट किया

कुचामन. शाबाश इंडिया। परम पूज्य समाधि सम्राट आचार्य रत्न 108 सुमति सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य 108 आचार्य श्री विवेक सागर जी महाराज के संघ को कुकनवाली नशीयाजी मे कुचामन सिटी में प्रवास हेतु नागौर मन्दिर जी अध्यक्ष सुमेर मल बज , कैलास चन्द पांड्या, अजित पहाड़ियां, विनोद झाझरी, नरेश झांझरी, संजय सेठी, बिमल झांझरी ,सुरेश पांड्या, पुरणमल झांझरी अजमेरी मन्दिर जी अध्यक्ष जयकुमार पहाड़ियां, महावीर मंदिर डीडवाना रोड के अध्यक्ष लालचंद पहाड़ियां श्री जैन वीर मण्डल के अध्यक्ष सोभागमल गंगवाल सचिव सुभाष पहाड़ियां, कोषाध्यक्ष देवेन्द्र पहाड़ियां सुरेन्द्र काला सुरेश पहाड़ियां, रितेश अजमेरा, अंकित काला ने श्रीफल भेट किया। महाराज श्री ने रविवार को संभावित कुचामन प्रवेश का आश्वासन दिया।

संगिनी मैन की अध्यक्ष डॉक्टर प्रमिला जैन को मिला एक्सीलेंस अवार्ड

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप इंटर नेशनल फेडरेशन संगिनी फोरम द्वारा बेस्ट मदर्स-डे सेलिब्रेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें पुरे भारतवर्ष से फेडरेशन के 12 रीजन की कुल 135 संगिनी ग्रुप ने भाग लिया। मेवाड़ मारवाड़ रीजन की संगिनी मेन की प्रेसिडेंट डॉ प्रमिला जैन एवं संगिनी चेन्नई इलाइट की प्रेसिडेंट भारती शाह को JSGIF संगिनी फोरम के तत्वावधान में अनोखे अंदाज में मदर्स-डे सेलिब्रेशन करने के साथ ही सराहनीय स्वैच्छिक सेवा कार्य करके मदर्स-डे मनाने के अनुकरणीय प्रयासों के सम्मान में दोनों संगिनी ग्रुप को एक्सीलेंस अवार्ड प्रदान किया गया। यह जानकारी संगिनी मैन की संस्थापिका शकुंतला पोरवाल ने दी।

भारतीय जैन युवा परिषद परिवार ने देखी फिल्म

जयपुर. शाबाश इंडिया। भारतीय जैन युवा परिषद परिवार के करीब 50 सदस्यों ने आज गैलेक्सी सिनेमा मानसरोवर में केरला स्टोरी फिल्म देखी फिल्म को देखने के लिए अविवाहित लड़कियों के लिए निशुल्क रखा गया था। उपस्थित सदस्यों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई । सभी उपस्थित सदस्यों ने बताया की इस फिल्म को जिन लोगों ने नहीं देखा उन्हें भी इस फिल्म को देखना चाहिए ।

धुलियान में श्रुत पंचमी समारोह आयोजित

धुलियान. शाबाश इंडिया। धुलियान पश्चिम बंगाल में श्रुत पंचमी समारोह भव्यता के साथ आयोजित किया। प्रातः अभिषेक शान्ति धारा के पश्चात जीनवाणी को मस्तक में विराजमान कर मंदिर की तीन परिक्रमा लगायी गई। उसके बाद श्रुतस्कन्ध विधान किया गया। सायः को ऋद्धि मंत्र सहित भक्तामर द्वीप प्रज्वलन तथा महाआरती उसके बाद जिनवाणी को पालने में झुलाया गया। – **संजय कुमार जैन बड़जात्या धुलियान पश्चिम बंगाल**

जिनेंद्र भगवान को नगर भ्रमण करवाया

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया

स्थानीय श्री आदिनाथ बाहुबली श्री दिगम्बर जैन मंदिर की नवीन वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ के चार दिवसीय कार्यक्रम का जिनेन्द्र भगवान के नगर भ्रमण के साथ समापन हुआ श्री दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष सुनील जैन सडूवाला ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि चार दिनों तक चलने वाले वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का समापन हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत महोत्सव में चार दिनों विभिन्न प्रकार की धार्मिक मांगलिक क्रियाएं संपन्न हुई । मीडिया प्रभारी महावीर प्रसाद पाटनी ने कार्यक्रम को रेखांकित करते हुए बताया कि नवीन वेदी में भगवान विराजमान के बाद आज पहली बार मंदिर में भगवान के अभिषेक , शांतिधारा की गई। इसके पश्चात भगवान को नगर भ्रमण करवाया गया। जिसमे जैन समाज के लोग भगवान महावीर का दिव्य संदेश जियो और जीने दो के नारों के साथ चल रहे थे महिलाएं मंगल पाठ करती हुई जुलुश की शोभा बढ़ा रही थी। खराब मौसम के चलते भगवान को सिर के उपर रखकर भक्तो ने भगवान को नगर भ्रमण करवाया। कार्यक्रम में दिगम्बर जैन समाज के मंत्री पारसमल बगड़ा, डॉक्टर सरोज कुमार छाबड़ा,जयकुमार बगड़ा,विजय कुमार बगड़ा, कैलाशचंद बगड़ा, ऋषभ कुमार बगड़ा, राकेश कुमार बगड़ा,वीरेंद्र पाटनी,बसंत कुमार बगड़ा,संतोष कुमार बगड़ा शेलेंदर गंगवाल,विमल पाटनी, प्रेमलता देवी सडूवाला,बिमला देवी छाबड़ा,गणपति बगड़ा,मीनू देवी बगड़ा,सहित काफी संख्या में जैन समाज के लोग मौजूद रहे।

जैन मिलन ने किया एक लाख णमोकार मंत्र का जाप

जिनवाणी एवं धार्मिक ग्रन्थों की साजसज्जा की

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। साधर्मी महिलाओं ने जिनवाणी एवं धार्मिक ग्रन्थों की साजसज्जा करते हुए महामंत्र णमोकार का एक लाख जाप्य अनुष्ठान पूर्ण किया। ज्ञान आराधना के महापर्व श्रुत पंचमी पर जैन मिलन महिला संगठन मुरेना की सदस्यों ने विशेष पूजा-पाठ कार्यक्रम का आयोजन बड़ा जैन मंदिर में किया। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों के साथ महिलाओं ने एक लाख णमोकार मंत्र का जाप्य अनुष्ठान पूर्ण किया। श्रुत पंचमी के पावन पर्व पर जैन मिलन की पदाधिकारी व सदस्यों ने मंदिरों में जाकर जिनवाणी कवर चढ़ाए और धार्मिक ग्रंथों की साफसफाई करके उन्हें सजाकर रखा। इसके बाद सभी ने श्री पार्श्वनाथ जैन बड़ा मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की और एक लाख णमोकार मंत्र का जाप किया। इस अवसर पर महिलाओं ने जैन संस्कृत विद्यालय के छात्रावास में रहने वाले लगभग दो दर्जन बच्चों को पानी की बॉटल वितरित कीं। बड़े जैन मंदिर में चल रहे 8 दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर में धार्मिक शिक्षा दे रहे सांगानेर से आये आचार्यों का सम्मान भी किया। जैन मिलन संगठन की केंद्रीय संयोजिका भावना जैन ने कहा कि श्रुत पंचमी दिगंबर जैन समाज के लिए बहुत बड़ा पर्व है । यह प्रतिवर्ष ज्येष्ठ मास में शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाया जाता है। दिगंबर जैन परंपरा के अनुसार श्रुत पंचमी पर्व, ज्ञान की आराधना का महान पर्व है, जो जैन भाई-बंधुओं को वीतरागी संतों की वाणी सुनने, आराधना करने और प्रभावना बांटने का संदेश देता है। कार्यक्रम में जैन मिलन की अध्यक्ष जूली जैन, सचिव शिल्पी जैन, कोषाध्यक्ष शिक्षा जैन, पूर्व अध्यक्ष सरिता जैन, बबिता जैन, उषा जैन, रजनी जैन, दीपा जैन, राखी जैन, किरण जैन, प्रीति जैन आदि शामिल हुईं।

वेद ज्ञान

मनुष्य के संबंध

मनुष्य और अन्य प्राणियों में मूल अंतर पारस्परिक संबंधों का है। घर-बाहर सभी जगह विडंबनाओं और चुनौतियों से घिरे समाज में पारिवारिक संबंध भी तभी फलते-फूलते हैं जब तक तराशे जाते रहें, उनमें प्रेम रूपी जल डाला जाता रहे। निश्छलता और परहित से अभिप्रेरित संबंध मधुर, सौहार्दपूर्ण और चिरकालीन रहते हैं। स्वार्थलोलुपता या लोकलाज से ढोए जाते संबंध नहीं टिकते। तात्कालिक स्वार्थ सिद्धि के उथले संबंधों के बाबत कहा गया है कि मानवीय रिश्ते विचित्र हैं। आज आप जिसके साथ उठते-बैठते, खाते-पीते, सोते, प्रेम से रहते हैं, एक दिन अचानक वह सब बिसरे स्वप्न में तब्दील हो जाता है। स्थाई और सतही संबंधों की तुलना दोपहर बाद की और सुबह से दोपहर की परछाई से की गई है। खोखले संबंध आरंभ में विशाल पैमाने के होते हैं, किंतु धीमे-धीमे क्षीण होते ऐन दोपहर तक की परछाई की भांति खत्म हो जाते हैं। इसके विपरीत गहन संबंध दोपहर बाद छोटे से आरंभ होकर क्रमशः बढ़ते ही रहते हैं। विजातीय विवाह, शिक्षा या आजीविका के लिए इतर देश, प्रदेश में जाकर रच-बस जाने में बढ़ोतरी से नए परिवेश में संतोषजनक मानवीय संबंध बनाना आवश्यक है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति फ्रैंकलिन रूजवेल्ट के अनुसार सभ्यताओं को जिंदा रखने के लिए मानवीय संबंधों के विज्ञान यानी सभी समुदायों को शांति से रहना सीखना होगा। दोनों पक्षों के व्यवहार में लेने के बदले देने का भाव प्रधान रहेगा, अपेक्षाएं न्यूनतम होंगी तो संबंध जल्द नहीं टूटेंगे और जब किसी व्यक्ति के बदले प्रभु से घनिष्ठता बनाएंगे तो जीवन आनंदस्वरूप हो जाएगा। संबंधों का दारोमदार मानने और निभाने पर है। अच्छे संबंध हमें निराशा और विकट परिस्थितियों में संबल देते हैं, मन में आशा का संचार करते हैं। अच्छे संबंधों से विहीन व्यक्ति को अपनी व्यथाएं, करुणा, उल्लास व्यक्त करने का उपाय नहीं सूझता, मन से अस्वस्थ होकर वह अवसादग्रस्त हो सकता है। प्रगाढ़ संबंधों से उपजे आनंद से वंचित रहना उसकी नियति बन जाती है। अपने ही सरोकारों में जकड़े व्यक्ति को भाई-बहन, परिजनों यहां तक माता-पिता से भी संबंध निभाना उसे भारी पड़ता है और उनके स्नेह और आशीर्वाद का पुण्य उसे नहीं मिलता।

संपादकीय

भेदभाव और प्रतिशोध की हिंसा में फिर जल रहे आम लोग

मणिपुर में मुख्य रूप से तीन समुदाय के लोग रहते हैं। उनमें से नगा और कुकी मान्यता प्राप्त जनजातीय समुदाय हैं और उनका वहां के लगभग नब्बे फीसद संरक्षित पहाड़ी भूभाग पर कब्जा है। मैतेई समुदाय आबादी के लिहाज से इन दोनों जनजातियों से करीब दोगुना है, पर भूभाग का केवल दस फीसद हिस्सा उनके लिए मुक्त है। मणिपुर में एक बार फिर हिंसा भड़क उठी। फिर से वहां सेना को तैनात करना पड़ा। पांच दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं बंद करनी पड़ीं। करीब एक पखवाड़ा पहले जब हिंसा भड़की थी, तब अनेक घरों में आग लगा दी गई, कई लोग मारे गए थे। तब करीब दस हजार लोगों को हिंसाग्रस्त इलाकों से बाहर निकालना पड़ा था। उस वक्त सरकार ने उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने का आदेश दिया था। उसके बाद करीब दस दिनों तक कोई उपद्रव नहीं हुआ, मगर सोमवार को एक बार फिर से इंफल इलाके में हिंसा भड़क उठी। बताया जा रहा है कि वहां मैतेई समुदाय के लोगों से

जबरन दुकानें बंद कराई जाने लगीं, जिसे लेकर हिंसा भड़की। इस बार गनीमत है कि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। मगर कुछ घरों को इस बार भी आग के हवाले कर दिया गया। ऐसे में सवाल है कि मणिपुर की यह आग कब तक शांत होगी। विवाद दरअसल वहां के उच्च न्यायालय के इस आदेश पर शुरू हुआ कि उसने राज्य सरकार को मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की दस साल पुरानी मांग पर विचार करने को कहा। इससे वहां के मान्यता प्राप्त जनजातीय समुदायों में ऐसी आशंका पैदा हुई कि सरकार मैतेई समुदाय को जनजाति का दर्जा दे सकती है और वे उनके संरक्षित भूभाग पर कब्जा करना शुरू कर सकते हैं। मणिपुर में मुख्य रूप से तीन समुदाय के लोग रहते हैं। उनमें से नगा और कुकी मान्यता प्राप्त जनजातीय समुदाय हैं और उनका वहां के लगभग नब्बे फीसद संरक्षित पहाड़ी भूभाग पर कब्जा है। मैतेई समुदाय आबादी के लिहाज से इन दोनों जनजातियों से करीब दोगुना है, पर भूभाग का केवल दस फीसद हिस्सा उनके लिए मुक्त है। इस तरह वे मुख्य रूप से इंफल इलाके तक सीमित हैं। मगर मैतेई समुदाय हर दृष्टि से प्रभावशाली है। राजनीति में इसी समुदाय के विधायक अधिक हैं, साठ में से चालीस। फिर प्रशासन में भी उन्हीं का दबदबा है। वे बरसों से मांग करते रहे हैं कि उन्हें भी जनजातीय समुदाय का दर्जा मिलना चाहिए। अगर ऐसा होता है तो मैतेई समुदाय को भी जनजातियों के संरक्षित भूभाग में प्रवेश का हक मिल सकता है। इसीलिए मान्यता प्राप्त जनजातियां आशंकित रहती हैं। इस तथ्य से वहां की सरकार अनजान नहीं है, मगर उसने कभी गंभीरता से इस मसले को निपटाने का प्रयास ही नहीं किया। जबसे वहां नई सरकार आई है, तबसे जनजातीय लोगों में यह आशंका घर करती गई है कि वह मैतेई समुदाय को प्रश्रय दे रही है। उनकी यह आशंका तब आक्रोश में बदल गई, जब इस साल फरवरी में संरक्षित पहाड़ी इलाकों से अवैध लोगों को निकालने का अभियान शुरू किया गया। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

निजता का सौदा

आधुनिक तकनीकी के विस्तार के साथ-साथ सूचना और संवाद के क्षेत्र में सोशल मीडिया की भूमिका जगजाहिर है। आज हालत यह है कि दुनिया की ज्यादातर आबादी इसके दायरे में है और किसी न किसी रूप में लोग ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम, वाट्सऐप जैसे सोशल मीडिया के मंचों का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन इसका दूसरा पहलू यह है कि फेसबुक या अन्य सोशल मीडिया मंचों पर बेफिक्र होकर वक्त गुजारने वाले लोगों की निजता बुरी तरह प्रभावित हो रही है और इन मंचों के संचालक ऐसी लापरवाहियों के खिलाफ कार्रवाई के बावजूद खुद में सुधार को लेकर गंभीर नहीं हैं। ताजा मामला सोशल मीडिया के मंच फेसबुक और वाट्सऐप का परिचालन करने वाली कंपनी मेटा से जुड़ा है, जिसमें उस पर निजता के नियमों के उल्लंघन का आरोप है। यूरोपीय संघ ने इस आरोप की पूरी पड़ताल के बाद मेटा को दोषी पाया और इस मामले में उस पर 1.3 अरब डालर का जुमार्ना लगाया है। साथ ही यूरोपीय संघ ने उपयोगकर्ताओं से संबंधित किसी जानकारी को अमेरिका भेजे जाने पर भी रोक लगा दी। दरअसल, फेसबुक पर ऐसे आरोप लगाए गए थे कि वह उपयोगकताओं की निजी जानकारी या डेटा आंग्ल-अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के साथ साझा करती है और इसी की मदद से बड़े पैमाने पर लोगों की निगरानी की जाती है। लगभग पांच साल पहले यूरोपीय संघ में निजता के उल्लंघन से संबंधित सख्त कानून लागू होने के बाद किसी सोशल मीडिया मंच पर लगाया गया यह सबसे बड़ा जुमार्ना है। इसी साल की शुरूआत में यूरोपीय संघ के डेटा से जुड़े नियमों का उल्लंघन करने की वजह से आयरलैंड ने मेटा पर 5.5 मिलियन यूरो का जुमार्ना लगाया था। इससे पहले भी मेटा को निजता के नियमों का अनुपालन नहीं करने पर भारी जुमार्ना देना पड़ा है। लेकिन इस तरह की सख्त कार्रवाइयों के बावजूद आम लोगों की निजता को भंग करने वाली जानकारी को मनमाने तरीके से किसी और को बेचे या भेजे जाने की प्रवृत्ति पर रोक नहीं लग पा रही है। समय-समय पर हो रही इस तरह की कार्रवाइयों से यह साफ है कि सोशल मीडिया पर अलग-अलग मंचों का परिचालन करने वाली कंपनियां अपने उपयोगकताओं की निजता की न केवल सुरक्षा नहीं कर पा रही हैं, बल्कि अपनी मनमर्जी से और लोगों को जानकारी दिए बिना उनसे संबंधित संवेदनशील सूचनाएं किसी तीसरे पक्ष को बेच देती हैं या किसी परोक्ष समझौते तहत भेजती हैं। इस तरह का तालमेल सिर्फ कारोबारी मुनाफा कमाना भी हो सकता है और इसके पीछे व्यापक पैमाने पर लोगों की निजता पर निगरानी करने की मंशा भी संभव है। यह सब जानते हैं कि लोगों के आम व्यवहार में इंटरनेट के शामिल होने का दायरा जैसे-जैसे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे साइबर दुनिया में कई तरह के खतरे भी बढ़ रहे हैं। लेकिन आधुनिकी तकनीकी के विकास के इस चरम दौर में भी निजता और अन्य इंटरनेट उपयोग को लेकर जोखिम भी लगातार बढ़ते जा रहे हैं। कायदे से सोशल मीडिया के मंचों का संचालन करने वाले समूहों से लेकर इस तरह के अन्य संस्थानों की जिम्मेदारी थी कि वे आम लोगों की संवेदनशील जानकारियों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करें। मगर इसके बजाय वे खुद ही निजता के उल्लंघन में संकोच नहीं कर रही हैं और ऐसे करने को सही भी ठहराती हैं।

श्रुत पंचमी महोत्सव पर हुई 2023 चातुर्मास की घोषणा

दुर्लभ जैन ग्रंथ एवं शास्त्रों की रक्षा का महापर्व है श्रुत पंचमी : उपाध्याय 108 ऊर्जयंत सागर जी मुनिराज

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर प्रताप नगर सेक्टर 8 में प्रवासरत उपाध्याय ऊर्जयंत सागर जी मुनिराज के सानिध्य में श्रुत पंचमी महोत्सव का आयोजन किया गया, समिति के प्रचार मंत्री बाबू लाल ईटून्दा के अनुसार आज प्रातः अभिषेक शांतिधारा, जिनवाणी पूजन के उपरांत धर्म सभा का आयोजन किया गया । इस अवसर पर जिनवाणी पूजन, आचार्य शांति सागर, आचार्य महावीर कीर्ति जी, आचार्य विमल सागर, आचार्य भारत सागर एवं उपाध्याय ऊर्जयंत सागर जी मुनिराज की पूजन गई, तदुपरान्त उपाध्याय ऊर्जयंत सागर जी मुनिराज को शास्त्र भेंट किया गया। इस अवसर पर उपाध्याय श्री ऊर्जयंत सागर जी महाराज को 2023 के चातुर्मास हेतु विभिन्न स्थानों से पधारे समाजजनों द्वारा श्रीफल भेंट किया गया, समिति उपाध्यक्ष शिखर जैन के अनुसार श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर फागीवाला समिति द्वारा, श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर समिति खवास जी का रास्ता जयपुर, दिगंबर जैन समाज दौसा एवं मोहनलाल चंद्रावती चेरिटेबल ट्रस्ट प्रताप नगर द्वारा श्रीफल भेंट किया गया। इस अवसर पर आयोजित धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए पूज्य उपाध्याय ऊर्जयंत सागर जी मुनिराज कहा कि जैन धर्म में ज्येष्ठ माह, शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को 'श्रुत पंचमी' का पर्व मनाया जाता है। इस दिन भगवान महावीर के दर्शन को पहली बार लिखित ग्रंथ के रूप में प्रस्तुत किया गया था। पहले भगवान महावीर केवल उपदेश देते थे और उनके प्रमुख शिष्य (गणधर) उसे सभी को समझाते थे, क्योंकि तब महावीर की वाणी को लिखने की परंपरा नहीं थी। उसे सुनकर ही स्मरण किया जाता था इसीलिए उसका नाम 'श्रुत' था, उपाध्याय श्री ने कहा कि श्रुत पंचमी के दिन जैन धर्मावलंबियो को मंदिरों में प्राकृत, संस्कृत, प्राचीन भाषाओं में हस्तलिखित प्राचीन मूल शास्त्रों को शास्त्र भंडार से बाहर निकालकर, शास्त्र-भंडारों की साफ-सफाई करके, प्राचीनतम शास्त्रों की सुरक्षा की दृष्टि से उन्हें नए वस्त्रों में लपेटकर सुरक्षित किया जाता है तथा इन ग्रंथों को भगवान की वेदी के समीप विराजमान करके उनकी पूजा-अर्चना करते हैं, क्योंकि इसी दिन जैन शास्त्र लिखकर उनकी पूजा की गई थी। धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए उपाध्याय श्री ने अपने 2023 के चातुर्मास कि उद्घोषणा करते हुए कहा कि इस बार का चातुर्मास आमेर जयपुर में होगा, परन्तु वैकल्पिक रूप में मोहन लाल चंद्रावती चेरिटेबल ट्रस्ट प्रताप नगर जयपुर भी है। इस अवसर पर आमेर, जयपुर, दौसा, ऋषभदेव, बैंगलोर से भी भक्त परिवार पधारे थे, वही जयपुर शहर से समाज श्रेष्ठि चिंतामणि बज, तारा चंद स्वीट आर के जैन रेलवे, जिनेन्द्र गंगवाल जीतू, निर्मल धुवां वालो सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

जिन बिम्ब वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव विश्व शांति महायज्ञ के साथ समापन

नो प्रतिमाएं नवनिर्मित स्वर्णमयी वेदी मे विराजे

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में बालाचार्य निपूर्ण नन्दी महाराज के सानिध्य में गुरुवार को जिन बिम्ब वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का समापन विश्व शांति महायज्ञ के साथ किया गया जिसमें श्रद्धालुओं ने गाजेबाजे के द्वारा स्वर्णमयी नवनिर्मित वेदी मे जिनेन्द्र देव की प्रतिमाओं को विराजमान किया गया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला व राकेश संधी ने बताया कि नवनिर्मित वेदी मे पार्श्वनाथ भगवान एवं श्री जी के छत्र को चेतन कुमार महेश कुमार शेलेन्द्र कुमार एवं महावीर स्वामी को पदमचंद कमलेश कुमार झिलाय एवं शांतिनाथ भगवान को निर्मल चंवरिया लोकेश

झिराना एवं सिद्ध भगवान पवन कुमार राजेश कुमार भाणजा एवं महावीर स्वामी को रमेश कुमार हंसराज जैन भाणजा एवं आदिनाथ महावीर स्वामी पार्श्वनाथ भगवान को रतनलाल विमल कुमार राजेश कुमार गिन्दौडी. को सोभाग्य प्राप्त हुआ। इसी तरह श्री जी की माला पहनने का सोभाग्य अशोक कुमार निर्मल कुमार चंवरिया को मिला। इस दौरान चंवर ढुंलाने का अवसर सुरेश कुमार राहुल कुमार लटूरिया को मिला। पद्मावती माता को रतनलाल विमल कुमार राजेश कुमार गिन्दौडी. ने विराजमान किया। जौंला ने बताया कि विधान के पांच मंगल कलश इन्द्र इन्द्राणियो को वितरित किए गए जहाँ अपने अपने निवास स्थान पर स्थापित किए। इस दौरान बालाचार्य निपूर्ण नन्दी महाराज एवं आर्यिका जयश्री माताजी ने धर्म सभा को सम्बोधित किया। कार्यक्रम को लेकर सुबह पण्डित सुरेश कुमार शास्त्री के विधिवत मंत्रोच्चार द्वारा सर्व प्रथम सोधर्म इन्द्र के साथ सभी इन्द्रो ने श्री जी का अभिषेक करके शांतिधारा की। इसके बाद आचार्य निमंत्रण करके वास्तु विधान आयोजित किया जिसमें श्रद्धालुओं ने नित्य पूजा के साथ वास्तु विधान की पूजा अर्चना की। जौंला ने बताया कि विधान के पश्चात विश्व शांति महायज्ञ किया गया जिसमें पूजार्थियो ने धी अगर तगर कपूर घूप गोला आदि सामग्री से हवन कुण्डो मे आहुतियां दी। जौंला ने बताया कि कार्यक्रम में भगवान पार्श्वनाथ का सामूहिक कलशाभिषेक किया गया। इस अवसर पर नेमीचंद गंगवाल, महावीर प्रसाद पराणा, वीरु जैन, राजेश सांवलिया, जयकुमार जैन अजीत काला निरोज भाणजा विमल सोगानी राकेश संधी मनोज भाणजा कमलेश जैन त्रिलोक पांडया राजेश जौंला निहाल भाणजा गोपाल कठमाणा निर्मल सुनारा हुकमचंद झिलाय सहित अनेक लोग मौजूद थे।

इस बार तो श्रुत पंचमी बहुत ही विशेष है

शाबाश इंडिया

श्रुत पंचमी जैन संस्कृति, जैन दर्शन, जैन धर्म का प्रमुख त्योहार है जैन धर्म के अनुसार इस दिन प्रथम बार जैन धर्म यानि आगम के किसी भी ग्रंथ को लिपिबद्ध किया गया । लगभग 2000 से भी ज्यादा वर्ष पूर्व गुजरात के गिरनार पर्वत की गुफाओं में आगम के प्रथम ग्रंथ षटखंडागम की रचना संपूर्ण हुई थी। जैन आचार्य, जैन विद्वान महानुभावों के अनुसार श्रुत पंचमी पर्व ज्ञान की आराधना का पर्व है। प्रतिवर्ष जेष्ठ शुक्ला पंचमी को जैन समाज में श्रुत पंचमी पर्व मनाया जाता है इस पर्व को मनाने के पीछे एक बड़ा इतिहास है आइए हम सब आज यह जानने का प्रयत्न करें श्रुत पंचमी क्या है। श्री वर्धमान जिनेंद्र स्वामी के मुख से उद्घाटित हुई वाणी को गौतम गणधर ने श्रुत के रूप में धारण किया ,उनसे सुधमार्चार्य स्वामी ने और उनसे अंतिम श्रुत केवली जंबू स्वामी ने ग्रहण किया। वर्धमान स्वामी के निर्वाण होने के पश्चात इनका काल ६२वर्ष माना गया है । पश्चात १००वर्ष में श्री विष्णु स्वामी,श्री नंद मित्र स्वामी ,श्री अपराजित स्वामी श्री गोवर्धन स्वामी श्री भद्रबाहु स्वामी ये ५ आचार्य पूर्ण द्वादशांग के ज्ञाता श्रुत केवली भगवंत हुए । पश्चात ११ अंग और १०पूर्वों के वेत्ता ये ११ आचार्य भगवंत हुए --श्री विशाखा चार्य स्वामी ,श्री प्रोष्ठिल स्वामी,श्री क्षत्रिय स्वामी श्री जय स्वामी श्री नाग स्वामी, श्री सिद्धार्थ स्वामी । श्री जगदीश स्वामी श्री विजय स्वामी, श्री बुद्धिल स्वामी, श्रीगंगदेव स्वामी, और श्री धर्म सैन स्वामी। इनका काल लगभग १८३ वर्ष रहा तत्पश्चात श्री नक्षत्र स्वामी श्री जयपाल स्वामी श्री पांडू स्वामी श्री ध्रुव सेन स्वामी और श्री कंस स्वामी यह पांच आचार्य ११ अंगों के धारक हुए। इनका काल २२० वर्ष माना गया है। पश्चात श्री सुभद्र स्वामी श्री यशो भद्र स्वामी श्री यशोबाहू स्वामी, और लोहार्य स्वामी यह चार आचार्य मात्र आचारांग के धारक हुए । इनका समय ११८वर्ष माना गया है ।इसके पश्चात अंग और पूर्व वेत्ताओं की परंपरा समाप्त हो गई और सभी अंगों और पूर्वों के एक देश का ज्ञान आचार्य परंपरा से श्रीधरसेन स्वामी भगवंत को प्राप्त हुआ । यह दूसरे अग्रायणी पूर्व के अंतर्गत चौथे महा कर्म प्रकृति प्राभृत के विशिष्ट ज्ञाता थे। इस अनुसार काल की गणना हम करते है तो वर्धमान स्वामी के निर्वाण के ६८३ वर्ष व्यतीत होने पर आचार्य धर सेन स्वामी भगवन्त हुये। आचार्य श्री धरसेन स्वामी अष्टांग महानिमित्त के ज्ञाता थे। आचार्य श्री धरसेन काठियावाड़ में स्थित गिरी नगर (गिरनार पर्वत)की चंद्र गुफा में रहते थे। समय बीत रहा था वे वृद्ध हो चले थे और उन्होंने जब यह जान लिया कि अब मेरा जीवन अत्यंत अल्प रह गया है। तब उन्हें अत्यधिक चिंता हुई की अवसर्पिणी काल के प्रभाव से श्रुत ज्ञान का दिन प्रतिदिन ह्रास होता जा रहा है जो कुछ भी श्रुत मुझे प्राप्त है, उतना भी आज किसी को नहीं है। अगर मैं यह श्रुत किसी अन्य को नहीं दे सका तो, यह मेरे साथ यहीं समाप्त हो जाएगा। उस समय देशेन्द्र नामक देश में वेणाकतटीपुर में महा महिमा के अवसर पर विशाल मुनि समुदाय विराजमान था। श्रीधर सेन आचार्य भगवंत ने एक ब्रह्मचारी जी के हाथ वहां आचार्य श्रीअरहद बलि के पास एक पत्र भिजवाया। स्वस्ति श्रीमान ऊर्जयन्ततट के निकट स्थित चंद्र गुहा वास से धरसेन आचार्य वेणाक तट पर स्थित मुनि समूहों को वंदना करके इस प्रकार से कार्य को कहते हैं कि हमारी आयु अब अल्प ही रह गई है इसलिए हमारे श्रुत ज्ञान अनुरूप शास्त्र का लोप ना हो जाए। तो आपसे विनती है की तीक्ष्ण बुद्धि वाले श्रुत को ग्रहण और धारण करने में समर्थ दो यतीश्वरों को मेरे पास भेजो। तब अभिप्राय को जानकर आचार्य श्रीअरहद बली ने अपने दो योग्य शिष्यों को गिरनार पर्वत पर भेजा उनके नाम नर वाहन और सुबुद्धी थे । यह मुनी विद्या ग्रहण करने में तथा इसे स्मरण रखने में समर्थ थे । जब यह दोनों मुनि गिरनार पर्वत की ओर आ रहे थे तब धरसेन आचार्य भगवंत ने एक शुभ स्वप्न देखा था। की दो श्वेत वृषभ आकर उन्हें विनय पूर्वक वंदन कर

रहे हैं । उन्होंने स्वप्न में ही यह जान लिया कि आने वाले दोनों मुनिराज विनय वान हैं तथा धर्म धुरा को वहन करने में समर्थ है। उनके श्रीमुख से जयउसूयदेवदा ऐसे आशीर्वाद के वचन निकले । जब दोनों मुनिवर गिरी पर्वत पर आ पहुंचे और विनय पूर्वक उन्होंने आचार्य के चरणो में वंदना की दो दिन पश्चात श्री धर सेन आचार्य भगवंत ने उनकी परीक्षा की। एक मुनि को अधिक अक्षरों वाला और दूसरे मुनि को हीन अक्षरों वाला मंत्र दे कर दो

अगर मैं यह श्रुत किसी अन्य को नहीं दे सका तो, यह मेरे साथ यहीं समाप्त हो जाएगा। उस समय देशेन्द्र नामक देश में वेणाकतटीपुर में महा महिमा के अवसर पर विशाल मुनि समुदाय विराजमान था।

उपवास सहित उसे साधने को कहा। दोनों मुनि गुरु के द्वारा दी गई विद्या को लेकर उनकी आज्ञा से श्री नेमिनाथ तीर्थंकर स्वामी की सिद्ध भूमि पर जाकर नियम पूर्वक अपनी-अपनी विद्या की साधना करने लगे। वहां उनके सामने दो देवियां आई उनमें से एक देवी की एक ही आंख थी और दूसरी देवी के दांत बड़े बड़े थे । तब मुनियों ने समझ लिया की मंत्रों में कुछ त्रुटि है। तब व्याकरण की दृष्टि से उन्होंने मंत्र पर विचार किया तो जिसके सामने एक आंख वाली देवी आई थी उसमें एक वर्ण कम पाया गया । तथा जिनके सामने लंबे दांतों वाली देवी आई थी उन्होंने अपने मंत्र में एक वर्ण अधिक पाया । दोनों ने अपने-अपने मंत्रों को शुद्ध किया और पुनः अनुष्ठान किया । इसके फलस्वरूप देवियां प्रकट हुई और बोली हमें आज्ञा दीजिए देव --हम आपका क्या कार्य करें। तब उन्होंने कहा हमारा कोई कार्य नहीं है हमने तो केवल गुरुदेव की आज्ञा से मंत्र आराधना की है सुनकर देवियां अपने अपने स्थान को चली गई। तब आचार्य श्री ने उन्हें श्रुत का ज्ञान दिया, जो आषाढ़ मास में शुक्ल पक्ष की एकादशी को पूर्ण हुआ। उस ही दिन भूत जनो ने रात्रि को नरवाहन मुनि की बलिविधि (पूजा) की और सुबुद्धी मुनि के चार दांतों को सुन्दर बना दिया, तब से इन मुनियों के नाम भूतबलि पुष्पदन्त प्रसिद्ध हुए पश्चात श्री धरसेन आचार्य भगवंत ने विचार करते हुए कि मेरी मृत्यु अब सन्निकट है । और इन दोनों को संक्लेश न हो यह सोच कर वचनों द्वारा योग्य उपदेश देकर दूसरे ही दिन उन्हें वहां से बिहार करा दिया। यद्यपि दोनों साधु गुरु

रमेश गंगवाल
मन. 1127, मनिहारों का रास्ता, किशनपोल बाजार
जयपुर , राजस्थान
9414409133 , 8302440084

चरणों में रहना चाहते थे। परंतु गुरु के वचनों का उल्लंघन न हो इसलिए ऐसा विचार करके वे वहां से चल दिए और अंकलेश्वर पहुंच कर वर्षा योग धारण किया ।वर्षा काल व्यतीत करने के पश्चात पुष्पदंत आचार्य भगवन्त तो अपने शिष्य जिन पालित के साथ वनवास को चले गए। और भूत बली द्रविड़ देश को चले गए। आचार्य पुष्पदंत जिनपालित को पढ़ाने के लिए महा कर्म प्रकृति प्राभृत का छह खंडों में उप संहार करना चाहते थे अतः उन्होंने २० अधिकार गर्भित सत्प्ररुपणा सूत्रों को बनाकर शिष्यों को पढ़ाया और आचार्य भूतबलि के पास जिन पालित को ग्रंथ देकर भेज दिया। इस रचना को देखकर भूतबलि ने आचार्य पुष्पदंत के षट् खंडा गम रचना के अभिप्राय को जानकर,तथा उनकी आयु भी अल्प है, ऐसा समझकर भूत बलि ने द्रव्यप्ररुपणा आदि अधिकारों को बनाया और इस तरह से पूर्व के सूत्रों सहित ६००० श्लोक प्रमाण में इन्होंने ५ खंड बनाए और ३०००० प्रमाण सूत्रों सहित महाबंध नाम का छठा खंड बनाया इन छह खंडों के नाम हैं--- जीव स्थान, क्षुद्रकबन्ध, बन्ध स्वामित्व, वेदना खण्ड, वर्गणा खण्ड और महाबन्ध। भूतबलि आचार्य भगवंत ने षटखंडागम सूत्रों को पुस्तक बद्ध किया। और जेष्ठ शुक्ला पंचमी के दिन चतुर्विध संघ सहित कृति कर्म पूर्वक महापूजा की । और इसी दिन से पंचमी का नाम श्रुत पंचमी प्रसिद्ध हो गया । इस पावन दिवस पर हम सभी लोग षटखंडागम ग्रंथ को विराजमान कर श्रद्धा भक्ति से महोत्सव के साथ रथ यात्रा निकालते हैं। महोत्सव के साथ पूजा अर्चना विधान किया जाता है और सिद्ध भक्ति का पाठ किया जाता है श्रुत यंत्र का परंपरागत रूप से अभिषेक किया जाता है,। साहित्य को समाज का दर्पण कहा जाता है, चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने षट्खंडागम जैसे महान ग्रंथ को ताम्रपट्ट पर उत्कीर्ण करा कर के सुरक्षित किया, क्योंकि आचार्यों को इस विषय पर अधिक चिंतन रहता है कि हम किस प्रकार से श्रुत ज्ञान को सुरक्षित करके आगे बढ़ा सकें, आगे दे सकें ।श्रुत पंचमी पर्व का यही उद्देश्य है, कि हम किस प्रकार से दिगंबर जैन आगम को, श्रवण संस्कृति को जान सकें, एवं उसका अधिक से अधिक प्रचार कर सकें, क्योंकि आज आधुनिक युग है, लोगों का शास्त्रों की ओर ध्यान कम रहता है, इसलिए जिस प्रकार से हो सके, शिविरों के माध्यम से बच्चों के अंदर जैन धर्म से प्र संबंधित संस्कारों को दे सकें यही श्रुत पंचमी पर्व का उद्देश्य है। जैन नगरी जयपुर में सन १९६७ में परम श्रद्धेय पंडित प्रवर श्री चैन सुख दास जी के सानिध्य में जैन साहित्य परिषद की स्थापना हुई,तब ही से जैन साहित्य परिषद नियमित जिनवाणी रथ यात्रा निकालती आ रही है। वर्तमान में जैन साहित्य परिषद के अध्यक्ष वाणी भूषण डा० विमल कुमार जी जैन साहब हैं और मंत्री श्री हीरा चन्द जी वैद हैं। नई कार्यकारिणी के संयोजन में इस बार श्रुत पंचमी समारोह का त्रि दिवसीय कार्यक्रम विशेष है।

राजस्थान जैन साहित्य परिषद के द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम के तहत जिनवाणी रथ यात्रा निकाली

जयपुर. शाबाश इंडिया। ज्येष्ठ शुक्ला पंचमी यानी आज ही के दिन आचार्य भगवंत धरसैन स्वामी ने पूरे जगत पर असीम अनुकंपा बरसाते हुए दो आचार्य भगवन्तो को श्रुत ज्ञान का अभ्यास कराते हुए महावीर वाणी को लिपिबद्ध कराया ।इसी उपलक्ष्य में आज राजस्थान जैन साहित्य परिषद के द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम के तहत जिनवाणी रथ यात्रा निकाली गई । जिनवाणी रथ यात्रा का जुलूस श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर दड़ा बाजार से आरंभ होकर विभिन्न मार्गों से होता हुआ महावीर पार्क के पास श्री दिगंबर जैन मंदिर संघीजी में पहुंचकर धर्म सभा में परिवर्तित हो गया । उक्त जानकारी देते हुए परिषद के मंत्री हीराचंद बैद ने बतायाआज की रथ यात्रा जुलूस में रथ के सारथी के रूप में विजय कुमार जैन, नीरज जैन,विकास जैन विराजमान हुए । ग्रंथ राज षट्-खण्डागम को लेकर रथ पर प्रतिष्ठापित करते हुए भाग चंद्र बाकलीवाल मित्रपुरा वाले विराजे। परिषद के अध्यक्ष डॉ. विमल कुमार जैन शास्त्री ने बताया धर्म सभा में पूनमचंद अभिषेक बैनाड़ा स्वीट हाऊस ने धर्म सभा में दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया आज के समारोह की मुख्य अतिथि श्रीमती निशा शाह थी तथा अध्यक्षता श्रीमती अंजलि पाटनी ने की। बाल ब्रह्मचारिणी अनीता दीदी का मंगल उद्बोधन हुआ ,छोटे-छोटे बच्चों ने नृत्य के द्वारा मनमोहक प्रस्तुति से मंगलाचरण किया । इस अवसर पर श्री महावीर जी अतिशय क्षेत्र के मानद मंत्री महेंद्र पाटनी सहित समाज के गणमान्य व्यक्ति महानुभाव उपस्थित थे। सभा के अंत में राजस्थान जैन साहित्य परिषद के संयुक्त मंत्री एवं इस त्री दिवसीय कार्यक्रम के संयोजक पंडित रमेश गंगवाल ने सभी आमंत्रित महानुभाव एवं श्रावकों का एवं श्री दिगंबर जैन मंदिर संघीजी प्रबंध कमेटी तथा श्री दिगंबर जैन मंदिर बड़ा मंदिर कमेटी व पुलिस प्रशासन आदि का आभार व्यक्त किया।

जैन समाज ने मनाया श्रुत पंचमी पर्व

रोहित जैन. शाबाश इंडिया।

नसीराबाद ।दिगंबर जैन समाज की ओर से श्रुत पंचमी पर्व श्रद्धापूर्वक मनाया गया। दिगंबर जैन युवा परिषद के अध्यक्ष निहालचंद बड़जात्या ने बताया कि इस अवसर पर प्रातः नगर के मुख्य बाजार स्थित आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर से मां जिनवाणी का जुलूस निकाला गया। जो बड़े मंदिर से प्रारंभ होकर ताराचंद सेठी की नसिया होते हुए नगर के मुख्य बाजार होकर गांधी चौक पहुंचा जहां से पुनः प्रारंभ होकर बड़ा मंदिर पहुंचकर सम्पन्न हुआ। जुलूस में जैन धर्मावलंबी जिनवाणी मां को पालकी में विराजमान कर एवं जिनवाणी धारण कर चंवर करते हुए चल रहे थे। बड़जात्या ने यह भी बताया कि श्रुतपंचमी के दिन ही मुनि भूतबली एवं पुष्पदंत महाराज ने गिरनार पर्वत की गुफाओं में जिनवाणी के रूप में लिपिबद्ध करने का कार्य पूर्ण किया था।

महावीर इंटरनेशनल रॉयल ब्यावर द्वारा 'झिझक छोड़ो चुप्पी तोड़ो खुल कर बोलो' पोस्टर का विमोचन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया।

ब्यावर। महावीर इंटरनेशनल रॉयल ब्यावर द्वारा अपेक्स के प्राजेक्ट झिझक छोड़ो - चुप्पी तोड़ो - खुल कर बोलो पोस्टर का विमोचन किया गया। अक्षय बिनायकिया ने बताया कि महावीर इंटरनेशनल अपेक्स द्वारा गरीमा प्रोजेक्ट के तहत उपखंड अधिकारी महोदय मृदुल सिंह से उपखंड कार्यालय में पोस्टर विमोचन का कार्यक्रम रखा गया । श्रेणिक बिनायकिया के अनुसार महावीर इंटरनेशनल द्वारा अपने 400 केन्द्रों के माध्यम से देश भर में शासकीय बालिका विद्यालय , आंगनवाड़ी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बालिकाओं व महिलाओं को सेनेटरी नेपकिन पेड्स के निशुल्क पेकेट वितरण का महत्वपूर्ण अभियान प्रारंभ किया है जो वर्ष भर निरंतर चलेगा। कार्यक्रम संयोजक विनय डोसी एवं टीना रांका ने बताया की उपखण्ड अधिकारी द्वारा देश की जरूरतमंद महिलाओं के लिए संस्था के द्वारा अभिनव सेवा कार्य करने हेतु बधाई देते हुए संकोच तोड़ कर इस सेवा का बीड़ा उठाने के लिए धन्यवाद दिया। संस्था द्वारा पर्यावरण सुरक्षा हेतु संचालित कपड़े की थैली मेरी सहेली कार्यक्रम की भी प्रशंसा की।

श्रुत पंचमी महापर्व पर दुर्गापुरा में शिविरार्थियों के साथ समाज ने भव्यता से जिनवाणी की पूजा की

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिला आंचल त्रिशला संभाग दुर्गापुरा की अध्यक्ष श्रीमती चंदा जी सेठी व मंत्री श्रीमती रेणु पांड्या ने संभाग के सभी सदस्यों व शिविरार्थियों को ग्रीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण शिविर में आयोजित श्रुत पंचमी महापर्व के कार्यक्रम को भव्यता से मनाने के लिए संदेश दिया कि पूजा में पुरुष एवं बच्चे सफेद वस्त्र एवं महिलाएं केसरिया साड़ी में कार्यक्रम में सम्मिलित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाए। शिविरार्थियों एवं समाज की सामूहिक पूजा भैया जी अजित जैन शास्त्री, दीपक जैन शास्त्री, विदुषी बहन भव्या, सिम्मी, जैन ने मधुर स्वर में संगीत के साथ भक्ति भाव से सम्पन्न करायी। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला ने बताया कि श्रुत पंचमी महापर्व के शुभ अवसर पर श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा जयपुर में बुधवार जेष्ठ शुक्ला पंचमी दिनांक 24 मई 2023 को प्रातः 7.30 बजे से मन्दिर जी में भव्यता के साथ मनाई गई। जिनवाणी की पूजा के पश्चात सम्मान, जिनवाणी की शोभा यात्रा एवं स्वाध्याय भवन में जिनवाणी विराजमान कर जिनवाणी की आरती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्वानों का, पुण्यार्जक परिवारजनों का सम्मान विद्यासागर पाठशाला के पुण्यार्जक की ओर से ट्रस्ट द्वारा किया गया। विद्वानों में डाक्टर प्रेम चंद जैन रांवका, पंडित चन्दन मल जैन अजमेरा, गुलाब चन्द जैन गंगवाल, राजकुमार जैन सेठी, भैया अजित जैन शास्त्री, दीपक जैन शास्त्री, विदुषी बहन भव्या, सिम्मी, अनुभा जैन थे। विद्यासागर पाठशाला के लिए प्रोजैक्टर प्रदाता - कमल कुमार जैन श्रीमती बीना जैन, श्रीमती नीतू जैन, डीमापुर, आसाम वालों का सम्मान किया गया। अल्पाहार के पुण्यार्जक - श्रीमती सुलोचना पांड्या, जोहराट, आसाम, दीपक - श्रीमती दिशा पाटनी, लाल बहादुर नगर दुर्गापुरा का सम्मान किया गया। जिनवाणी की शोभा यात्रा में सबसे आगे जैन ध्वज लेकर चलने का पुण्यार्जन श्री दिगम्बर जैन चन्द्रप्रभु महिला मण्डल दुर्गापुरा जयपुर ने प्राप्त किया। इसमें अध्यक्ष श्रीमती रेखा लुहाड़िया मंत्री श्रीमती रानी सोगानी व सभी सदस्याएं साथ रही। जिनवाणी को लेकर सबसे आगे शोभा यात्रा में चलने वाले एवं पूजन सामग्री के पुण्यार्जक श्रीमान सुनील कुमार जी माया जी जैन संगही थे। जिनवाणी की आरती करने का पुण्यार्जन श्रीमान चन्द्रसेन जी - श्रीमती देवकी जी जैन पाटनी परिवार ने प्राप्त किया। जिनवाणी की हमेशा साज-सज्जा श्रीमती संतोष जी जैन गोधा, श्रीमती पुष्पा जी जैन सोगानी, श्रीमती मुन्ना देवी जी जैन छाबड़ा, श्री महावीर जी छाबड़ा, श्री सुधीर जी - श्रीमती गुणमाला जी जैन पाटनी, श्री चन्द्र सेन जी श्रीमती देवकी जी जैन पाटनी कर रहे हैं। कार्यक्रम में श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी ट्रस्ट दुर्गापुरा, श्री दिगम्बर जैन चन्द्रप्रभु महिला मण्डल दुर्गापुरा, त्रिशला संभाग दुर्गापुरा, विद्यासागर पाठशाला दुर्गापुरा सकल दिगम्बर जैन समाज दुर्गापुरा ने उपस्थित होकर धर्म प्रभावना करते हुए धर्म लाभ लिया एवं कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़ ने सभी का आभार व्यक्त किया।

अल्पाहार के पुण्यार्जक - श्रीमती सुलोचना पांड्या, जोहराट, आसाम, दीपक - श्रीमती दिशा पाटनी, लाल बहादुर नगर दुर्गापुरा का सम्मान किया गया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

दुर्गापुरा गोशाला में रक्तदान व चिकित्सा शिविर आयोजित

शिविर में 85 यूनिट रक्त एकत्र हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

दुर्गापुरा गोशाला में राजस्थान गो सेवा संघ ने रक्तदान व चिकित्सा शिविर आयोजित किया। शिविर आयोजक राकेश गोदिका, अशोक जैन ने बताया कि ऋषभ जैन के जन्मदिन के शुभ अवसर पर आयोजित शिविर में 85 यूनिट रक्त एकत्र हुआ। गोपी अग्रवाल, कमल अग्रवाल ने बताया कि शिविर में जयपुरिया अस्पताल ब्लड बैंक की टीम ने रक्त एकत्र करने के लिए अपनी सेवाए दी।इस अवसर पर भीमराज काकरवाल, हनुमान सोनी, शैलेंद्र शर्मा, दिनेश अग्रवाल तथा समाचार जगत के चक्रेश जैन सहित अनेक गणमान्य गौ भक्त उपस्थित रहे।

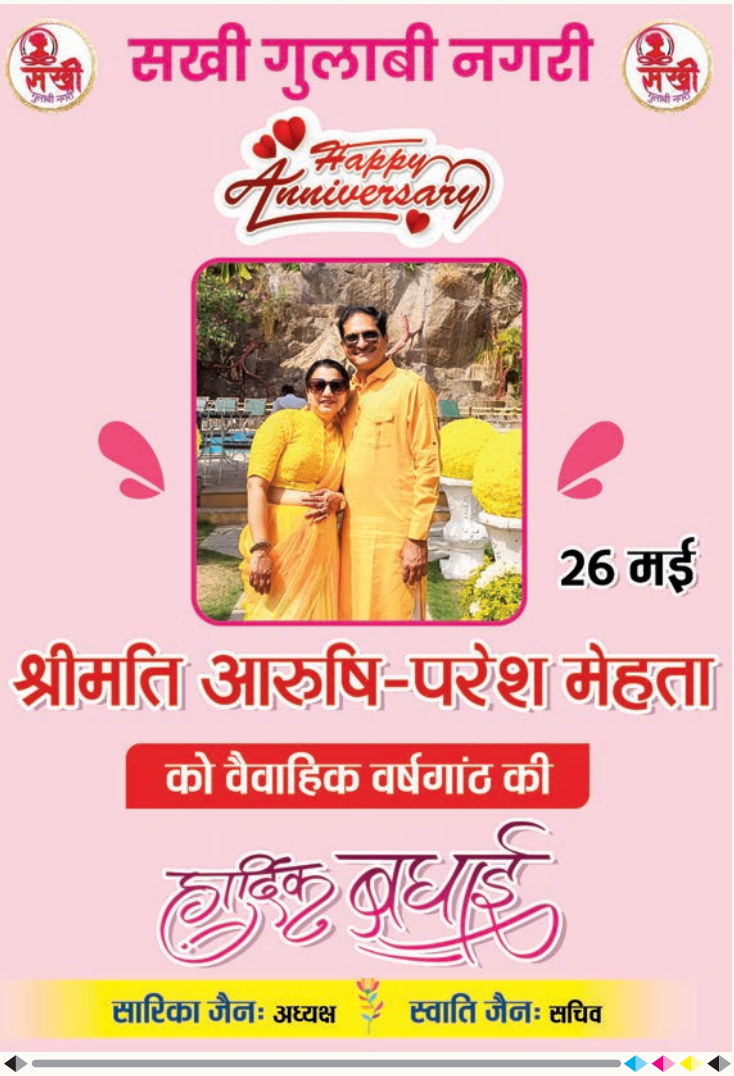

आर्यिका नंदीश्वरमति माताजी का भैंसलाना में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

भैंसलाना। कस्बे में गुरुवार को आर्यिका नंदीश्वरमति माताजी ससंघ का गाजे बाजे के साथ मंगल प्रवेश भव्य हुआ भादवा से मंगल विहार करने के बाद भैंसलाना में भव्य मंगल प्रवेश हुआ नवरत्न पाटनी एवं राजकुमार जैन ने बताया कि गुरू मां को परम्परागत तरीके से विभिन्न मार्गों से होते हुए मंदिर में प्रवेश हुआ श्रद्धालुओं ने गुरू मां का मार्ग में मंगल प्रवेश पर अगवानी करते हुए पाद प्रक्षालन करके आरती की इसके बाद आर्यिका श्री ने मंदिर जी में विराजमान भगवान के दर्शन किए। इस दौरान महावीर प्रसाद जैन,घीसालाल पाटनी, ललित पाटनी, मुकेश जैन, सुभाष पाटनी,पंकज जैन,आयुष पाटनी सहित अनेक समाजबंदु उपस्थित रहे।

डॉ. निर्मल जैन सोगानी श्री महासमिति के प्रांतीय अध्यक्ष मनोनीत

जयपुर. शाबाश इंडिया। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा परिषद के सदस्य डॉ. निर्मल जैन सोगानी जयपुर को श्री दिगम्बर जैन महासमिति के प्रांतीय अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया है। महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मणीन्द्र जैन ने बताया कि इनके नेतृत्व में महासमिति राजस्थान प्रदेश में ही नहीं अपितु देश-विदेश में भी आध्यात्मिक, सामाजिक कार्यों को दिन दूनी रात चौगुनी प्रगति के पथ पर अग्रसित होकर सृजनात्मक रूप प्रदान कर नये आयाम स्थापित करेगी।

सर्व धर्म निशुल्क विवाह सम्मलेन

अदभूत, अपूर्व, अलौकिक, अविस्मरणीय आयोजन, 2200 जोड़ो का एक साथ होगा विवाह, राजस्थान में रचेगा इतिहास

बारां. शाबाश इंडिया। राणा प्रताप मीरा और पन्ना धाय के तप त्याग और साधना की पावन वसुंधरा राजस्थान के बारां नगर के समीप पांच लाख मेहमानों के लिए चार लाख किलो भोजन बन रहा, 6000 लोग खाना खिलाने, 2000 बनाने के लिए, ट्रैक्टर से परोस रहे !

राजस्थान में अब तब का सबसे बड़ा सामूहिक विवाह हो रहा है। इस विवाह की तैयारी करीब एक महीने से की जा रही है और विवाह का आयोजन शुक्रवार 26 मई को रखा गया है।

राजस्थान में अब तब का सबसे बड़ा सामूहिक विवाह हो रहा है। इस विवाह की तैयारी करीब एक महीने से की जा रही है और विवाह का आयोजन शुक्रवार 26 मई को रखा गया है। बांरा शहर में होने वाले इस आयोजन के लिए पांच दिन से भट्टियां चल रही हैं और लगातार मिठाईयां और नमकीन बन रही है। इस आयोजन में करीब पांच लाख मेहमानों के आने का अनुमान लगाया जा रहा है। इसी हिसाब से तैयारियां भी की जा रही है। आयोजन सर्व धर्म निशुल्क विवाह सम्मलेन के नाम से किया जा रहा है. इस आयोजन में 2200 जोड़ों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। सामूहिक विवाह सम्मेलन का काम देख रहे मीडिया प्रभारी मनोज जैन आदिनाथ ने बताया कि पूरी टीम काम पर लगी हुई है। एक महीने से काम चल रहा है। पांच दिन से खाना बन रहा है। आयोजन में आने वाले लोगों के लिए करीब तीन लाख किलो खाद्य सामग्री बन रही है। इसमें इसमें 800 क्विंटल नुक्ती, 800 क्विंटल बेसन की मिठाई बनकर तैयार हो गई है। इसके अलावा 350 क्विंटल नमकीन भी बनकर तैयार हो गए हैं। साथ ही 500 क्विंटल कैरी की लौंजी बन रही है। करीब पंद्रह सौ क्विंटल पूडी और सब्जी बननी है जो आज रात से शाम से बनना शुरू हो जाएगी। 26 तारीख को भोजन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक रखा गया है।खाने में लोगों को नुक्ती, बेसन मिठाई, नमकीन, कैरी की लौंजी और पूड़ी परोसी जाएगी। ऐसे में प्रति व्यक्ति पर करीब 150 रुपए का खर्चा होगा। शादी के लिए बनी 800 क्विंटल नुक्ती को रखने के लिए ट्रैक्टर की ट्रॉली का उपयोग किया गया है। ट्रॉली में प्लास्टिक कवर लगाकर उनमें नुक्ती को रख दिया गया है, इसी तरह से बेसन की मिठाई को भी स्टोर करके रखा गया है, नमकीन को भी इसी तरह से बड़े पॉलिथीन के पैकेट में पैक करके रखा गया है।इतने बड़े आयोजन में राजस्थान के अलावा एमपी से भी हलवाई बुलाए गए हैं। आयोजन समिति के सदस्य शेखर कुमार ने बताया कि सामानों के लिए भी बड़े - बड़े सप्लाई से ही संपर्क किया गया है। किराने का सामान ही 4 करोड़ रुपए से ज्यादा का आया है। शक्कर सीधे महाराष्ट्र की शुगर मील से 300 क्विंटल मंगवाई गई है। इसके अलावा 1000 क्विंटल आटे की उपलब्धता समारोह के लिए की गई है देसी घी के 1250 टिन और मूंगफली तेल के 2500 टिन मंगाए गए हैं।हलवाई सहित अन्य कई लोगों के लिए रोज भोजन बन रहा है। ऐसे में करीब 2000 कर्मचारी रोज सुबह - शाम भोजन कर रहे हैं। खनन एवं गोपालन मंत्री प्रमोद जैन भाया ने बताया कि लोगों को भोजन परोसने के लिए 32 पांडाल बनाए गए हैं। हर रसोई के सामने दो पांडाल हैं। जिनमें भोजन परोसा जाएगा। एक पांडाल 300 फीट का है, जिसमें एक बार में करीब 50 हजार लोग बैठकर भोजन कर सकेंगे। करीब 6400 व्यक्ति भोजन परोसने के लिए उपलब्ध रहेंगे । पानी की व्यवस्था के लिए सभी लोगों को भोजन के साथ एक बोतल दी जाएगीं। इसके अलावा पूरे परिसर में पानी की व्यवस्था के लिए पाइपलाइन डाली गई है, करीब 17 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन है। करीब 30 जगह पर पानी पीने की नियत स्थान बनाए गए हैं। इस पूरे आयोजन में करीब एक करोड़ लीटर पीने के पानी की व्यवस्था की जा रही है। **संकलन एवम प्रेषक: पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार कोटा**

दुर्गापुरा में ग्रीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण शिविर की परीक्षा संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन महिला महसमिती त्रिशला सम्भाग दुर्गापुरा में ग्रीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण शिविर की 25 मई को परीक्षा दुर्गापुरा जैन मन्दिर में सम्पन हुई। अध्यक्ष श्रीमती चन्दा सेठी एवं मन्त्री रेणु पांड्या ने बताया प्रथम भाग द्वितीय भाग एवं छहढाला एवं सूत्र जी कि परीक्षा में 80 विद्यार्थियों की उपस्थिति रही ।

संस्थापित सितम्बर 1996 पंजीयन संख्या- 320 दिनांक 25.09.1996

पू. संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज

परमपूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद
एवं परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज की प्रेरणा से संस्थापित

श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर

के अन्तर्गत संचालित

श्री संत सुधासागर बालिका महाविद्यालय एवं छात्रावास

के तत्त्वावधान में

संस्थान के **26** वर्षों की संपूर्ती के अवसर पर आयोजित

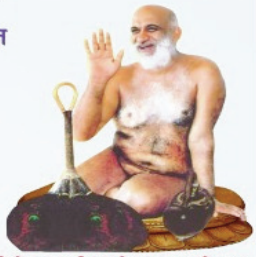

पू. निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज

श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर

समापन व सम्मान समारोह

दिनांक 28 मई 2023, रविवार को सायं 7 बजे से

स्थान : तोतूका भवन, भट्टारक जी की नसियां, नारायण सिंह सर्किल, जयपुर

जैन धर्म एवं संस्कृति की अक्षुण्ण परम्परा, श्रमण संस्कृति के सम्पोषण एवं जिनवाणी के तत्त्व ज्ञान के प्रचार प्रसार के लिए श्रावकों को संस्कारित करने हेतु श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर, जयपुर (राज.) द्वारा प्रतिवर्ष संपूर्ण देश एवं विदेशों में ग्रीष्मकालीन शिविरों का आयोजन किया गया।

इस वर्ष श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर के 26 वर्षों की संपूर्ती के अवसर पर इस महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित होने वाले धार्मिक संस्कार शिविर में आप सभी धर्मप्रेमी बंधुओं ने ग्राम, शहर में धर्म का प्रचार प्रसार करते हुए सच्चे जिनधर्म प्रभावक बन धर्म प्रभावना की एवं धर्म लाभ लिया। जिसके समापन व सम्मान समारोह में आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

समारोह गौरवमयी अतिथिगण

व्रति श्राविका शिरोमणि श्रीमती सुशीला जी, शांता जी, तारिका जी पाटनी
(आर.के. मार्बल परिवार)

श्रीमती कांता जी बज, शिप्रा जी जैन

श्रीमती कांताजी
धर्मपत्नी श्रीमान् रतन लाल जी सौगानी

श्रीमती महताब देवी मुशरफ

श्रीमती आशा जी
धर्मपत्नी श्रीमान् सुरेश जी लुहाड़िया

श्रीमती सुमन जी
धर्मपत्नी श्रीमान् सुरेश जी सौगानी

श्रीमती संतोष जी
धर्मपत्नी श्रीमान् अशोक जी पाटनी

विशेष आकर्षण - रत्नाकर पुरस्कार

प्रत्येक गटिर से प्रत्येक विषय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वालों की पुनः परीक्षा ली गई उसमें प्रथम आने वाले को पंडित रतन लाल जी बैनाडा की स्मृति में रत्नाकर पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा, जिसकी राशि रू. 2100 व शील्ड दी जायेगी।

जिनवाणी पुरस्कार प्रदाता
डॉ. रवि लता जैन

शिरोमणि संरक्षक / परामर्शक	शिरोमणि संरक्षक /सह- परामर्शक	अधिष्ठाता	निर्देशक	अध्यक्ष	कार्याध्यक्ष	मानद् मंत्री	कोषाध्यक्ष	सहमंत्री
जैन गौरव श्री अशोक पाटनी मदनगंज-किशनगढ़	श्री तरुण काला मुंबई	डॉ. जय कुमार जैन मुजफ्फर नगर	डॉ. शीतलचन्द जैन जयपुर	श्री शांति कुमार जैन जयपुर	श्री प्रमोद जैन 'पहाड़िया' जयपुर	श्री सुरेश कुमार जैन सांगानेर	श्री ऋषभ कुमार जैन श्याम नगर	श्री दर्शन जैन

संत श्री सुधासागर बालिका महाविद्यालय एवं छात्रावास

परामर्शक	अधिष्ठात्री	निर्देशिका	गौरव अध्यक्षा	अध्यक्षा	उपाध्यक्षा	उपाध्यक्षा
श्रीमती सुशीला पाटनी व्रती श्रीमती शान्ता पाटनी मदनगंज-किशनगढ़	श्रीमती शीला जैन (डोड्या) जयपुर	डॉ. वन्दना जैन जयपुर	श्रीमती तारिका पाटनी आर.के. मार्बल, उदयपुर	श्रीमती रेणु राणा जयपुर	श्रीमती नीना पहाड़िया जयपुर	श्रीमती रजनी काला मुम्बई

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति राजस्थान अंचल एवं संयुक्त महिला संभाग समस्त पदाधिकारीगण

परम संरक्षक शिरोमणि	राष्ट्रीय अध्यक्ष व संस्थापक	अंचल परामर्शक	अंचल अध्यक्ष	अंचल महामंत्री	अंचल कोषाध्यक्ष	अंचल महिला प्रकोष्ठ मंत्री	अंचल युवा प्रकोष्ठ मंत्री
श्रीमती सुशीला, श्रीमती शांता, श्रीमती तारिका पाटनी किशनगढ़	श्रीमती शीला जैन डोडिया, जयपुर	डॉ. वंदना जैन	श्रीमती शालिनी बाकलीवाल जयपुर	श्रीमती डिंपल गदिया नसीराबाद	श्रीमती विद्युत लुहाड़िया जयपुर	श्रीमती मधु पाटनी अजमेर	श्रीमती नीता गदिया केकड़ी

मुख्य संयोजक **श्री उत्तमचन्द पाटनी** श्रीमती सुशीला छाबड़ा, श्रीमती पिंकी शाह, विदुषी कु. साक्षी जैन, विदुषी कु. भव्या जैन, श्रीमती विनिता बोहरा, श्रीमती अंजना जैन, विदुषी कु. अनुभा जैन, विदुषी कु. पूर्वी जैन

शिविर संयोजिका - मंजू जैन सेवावाले, नीता जैन, कांता जैन, नीना गदिया, तारामणि जैन, आशा अग्रवाल, अंजना जैन, मैना जैन, रचना बाकलीवाल, किरण जैन, चंदा सेठी विनीता बोहरा, भंवरी जैन, सुनीता जैन, अनिला बास्को, अनिता लुहाड़िया, नीरा जैन, विनीता अजमेरा, अल्का जैन, वंदना सेठी, रेनू जैन, सुनीता शाह,

कार्यक्रम के अंत तक उपस्थित रहने वालों में से लक्की ड्रा दिया जाएगा।

केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पहुंचे मुनि श्री के चरणों में

समाजिक व्यावस्थाओ में सम्मेलन से सुधार होगा : विजय धुर्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

विश्व ने अहिंसा धर्म की शक्ति को देखा है और यही जैन समाज की प्रमुखता और विशेषता भारत की प्रमुख शक्ति है इस पूंजी को महत्व पूर्ण माना गया है भगवान महावीर के दिखये पथ का विश्व दर्शन, मूल्य सिंध्दातो का जीवन विश्व के निवासियों को दिया है जो आलौकिक है जैन समाज के सिध्दांत अहिंसा के पथ पर चलते चलते अहिंसा को ही सबसे बड़ा धर्म माना है अहिंसा को धार्मिक प्रगति के साथ जोड़ कर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी है साथ ही सभी प्राणियों के प्रति अहिंसा के मार्ग को प्रशस्त कियाअहिंसा के मूल्य और सिद्धांत सीमित न होकर पृथ्वी के हर इंसान को छूने की क्षमता होती है उन्होंने कहा कि इतिहास के पन्नों पर जाये तो जीवन मूल्यों एवं सिद्धांतों की राह पर चलना अच्छा संकेत है उक्त आश्य के उद्गार केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जैन समाज के मध्य कही मुंगावली जैन मन्दिर में विराजमान संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम शिष्य निर्यापक श्रमण मुनि श्री अभयसागरजी महाराज मुनिश्री प्रभात सागर जी महाराज मुनिश्री निरिह सागर जी महाराज ससंघ के संत निवास पहुंच कर दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया । इस दौरान

जैन समाज के अध्यक्ष चन्द्र कुमार मोदी नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती स्वाति मनीष कुमार मोदी जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती विजय लक्ष्मी जैन समाज के वरिष्ठ श्री अरविंद कुमार सिघई राजीव भगत देवेन्द्र सिघई काली मोदी सहित वरिष्ठ जनो ने श्री सिंधिया का अभिनन्दन किया। मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि सामाजिक समरसता और समाज की एकजुटता के लिए अशोक नगर में पहली बार क्षेत्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित मध्यप्रदेश सरकार व विधायक जजपाल सिंह जज्जी भइया नपा अध्यक्ष नीरज मनोरिया जिला पंचायत अध्यक्ष जगन्नाथ सिंह सहित सभी राजनेताओं की उपस्थिति के साथ अंचल की समाज से सभी लोगों का जुटना बड़ी बात है समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद ने सम्मेलन की सफलता पर सभी के प्रति हार्दिक आभार जताते हुए कहा कि इसी तरह भविष्य में भी सभी के सहयोग से हम ऐसे आयोजन करते रहेंगे ।

जैन समाज में गुरुओ के मार्ग दर्शन से होते हैं कार्य

इसके पहले सिंधिया ने कहा कि राजनीति में सिद्धांत और मूल्य अति महत्वपूर्ण होते हैं एक-एक व्यक्ति बालक बालिकाएं समाज के मूल्य सिंध्दातो को आत्मा में उतारकर जीवन शैली में अपनाएं जैन समाज में गुरुओं कि काफी महत्वत्ता है उन्होंने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे जैन जगत के सुविख्यात संत परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के दर्शन का सौभाग्य समय समय पर मिलता रहा है मुनि श्री अभयसागरजी महाराज मुनिश्री प्रभात सागर जी महाराज सहित अन्य संतों के दर्शन और आशीर्वाद हमें निरंतर प्राप्त होता रहा है आज मुनि श्री के दर्शन के पहले मैं अशोक नगर में जैन समाज के सम्मेलन में था पहले भी मुनि श्री के अशोक नगर शिवपुरी में दर्शन मिलें थे।

जैन सिद्धांतो का प्रभाव सिंधिया परिवार पर रहा है

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि भगवान महावीर स्वामी ने अहिंसा सत्य अस्तेय अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य ये जो सिंध्दात दिए हैं वे सारे विश्व के लिए अनुकरणीय है इनसे अपने जीवन को सफल बनाया जा सकता है पूजा पाठ के साथ हमें इन सिद्धान्तों पर आने वाली पीढ़ी को ले जाने की आवश्यकता है।

श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर 10-बी,स्कीम जयपुर में धार्मिक संस्कार शिविर का समापन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर 10-बी,स्कीम जयपुर में श्री दिगंबर जैन महिला समिति एवं श्रमंण संस्कृति संस्थान सांगानेर के तत्वाधान में धार्मिक संस्कार शिविर का दिनांक 25-5-2023 को समापन हुआ। मंदिर के मंत्री जितेंद्र कुमार जैन ने बताया कि शिविर में अध्ययन करने वाले सभी बच्चों को प्रतिदिन पुरस्कार वितरण का कार्य एवं बालिका छात्रावास सांगानेर के लिए भी आर्थिक सहयोग समाज की श्रेष्ठयो द्वारा किया गया। शिविर का महिला

महासमिति एवं संस्कृति संस्थान से शीला डोढ्या,शालिनी ,वंदना एवं दीपक भैया द्वारा अध्ययन कार्यक्रम का अवलोकन किया गया। जिन्होंने शिविर की संयोजक श्रीमती संगीता काला,श्रीमती निर्मला जैन एवं मंदिर की समस्त कार्यकारिणी द्वारा मंदिर मे की गई सुन्दर व्यवस्था एवं अध्ययन कर रहे सभी की बहुत सराहना की। संस्थान से पधारी हुई विदुषी ऋषिता जैन एवं रिया जैन का सम्मान एवं अध्ययन कर रहे सभी का उत्साह वर्धन का कार्यक्रम किया गया।